HINDI

(Second Language)
(*Three Hours*)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.*
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

*This paper comprises of two Sections : **Section A** and **Section B.***
*Attempt **all** the questions from **Section A.***
*Attempt **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from **two** books you have studied and **any two** other questions from the same books you have compulsorily chosen.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

*Attempt **all** questions*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :— [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

(i) आपके विद्यालय में एक मेले का आयोजन किया गया था। यह किस अवसर पर, किस उद्देश्य से किया गया था ? उसके लिए आपने क्या-क्या तैयारियाँ कीं ? आपने और आपके मित्रों ने एवम शिक्षकों ने उसमें क्या सहयोग दिया था ? इन बिन्दुओं को आधार बनाकर एक प्रस्ताव विस्तार से लिखिए।

(ii) यात्रा एक उत्तम रुचि है। यात्रा करने से ज्ञान तो बढ़ता ही है, स्थान विशेष की संस्क ति तथा परंपराओं का परिचय भी मिलता है। अपनी किसी यात्रा के अनुभव तथा रोमांच का वर्णन करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

(iii) 'वन है तो भविष्य है' आज हम उसी भविष्य को नष्ट कर रहे हैं, कैसे ? कथन को स्पष्ट करते हुए जीवन में वनों के महत्व पर अपने विचार लिखिए।

© *Copyright reserved.*
www.careerindia.com

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका अन्त प्रस्तुत वाक्य से किया गया हो — और मैंने राहत की साँस लेते हुए सोचा कि आज मेरा मानव जीवन सफल हो गया।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिये, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध, चित्र से होना चाहिये।

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :— [7]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिये :—

(i) आप अपने परिवार के साथ किसी एक प्रदर्शनी (Exhibition) को देखने गए थे। वहाँ पर आपने क्या-क्या देखा ? वहाँ कौन-कौन सी चीजों ने आकर्षित किया ? जीवन में उनकी क्या उपयोगिता है ? अपना अनुभव बताते हुए अपने प्रिय मित्र को पत्र लिखिये।

(ii) दिन-प्रतिदिन बढ़ते हुए जल संकट की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए नगर-पालिका के अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए जिसमें वर्षा के जल का संचयन (rain water harvesting) करने के लिए व्यापक स्तर पर परियोजना चलाने का सुझाव दिया गया हो।

www.careerindia

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

एक रियासत थी। उसका नाम था कंचनगढ़। वहाँ बहुत गरीबी थी। लोग कमज़ोर थे और धरती में कुछ उगता न था। चारों और भुखमरी थी। एक दिन राजा कंचनदेव राज्य की दशा से चिंतित हो उठे। अचानक उनके पास एक साधु आए। राजा ने उन्हें प्रणाम किया। राजा ने साधु को अपने राज्य के बारे में बताया और कुछ उपाय करने की प्रार्थना की। साधु मुस्कराकर बोले — "कंचनगढ़ के नीचे सोने की खान है।" इतना कहकर साधु चले गए।

राजा ने खुदाई करवाई। वहाँ सोने की खान निकली। राजा का खजाना सोने से भर गया। राजा ने अपने राज्य में जगह-जगह मुफ़्त भोजनालय बनवाए, दवाखाने खुलवाए, चारागाह बनवाए तथा अन्य सुख-सुविधा के साधन उपलब्ध करा दिए। अब वहाँ कोई दुखी नहीं था। सब लोग खुश थे। धीरे-धीरे लोग आलसी हो गए। कोई काम नहीं करता था। भोजन तक मुफ़्त में मिलने लगा था। मंत्री ने राजा को बहुत समझाया और कहा — "महाराज, लोग आलसी होते जा रहे हैं। उनको काम दिया जाए।" परंतु राजा ने मंत्री की बात को टाल दिया।

कंचनगढ़ की समृद्धि को देखकर पड़ोसी रियासत के राजा को ईर्ष्या हुई। उसने अचानक कंचनगढ़ पर चढ़ाई कर दी और माँग की — "सोना दो या लड़ो।" कंचनगढ़ के आलसी लोगों ने राजा से कहा — "हमारे पास बहुत सोना है, कुछ दे दें। बेकार खून क्यों बहाया जाए ?" राजा ने लोगों की बात मान ली और सोना दे दिया। कुछ दिनों बाद उसी पड़ोसी राजा ने कंचनगढ़ पर फिर चढ़ाई कर दी। इस बार उसका लालच और बढ़ गया था। इसी प्रकार उसने कई बार चढ़ाई कर-करके कंचनगढ़ से सोना ले लिया। यह सब देखकर राजा का मंत्री बहुत परेशान हो गया। वह राजा को समझाना चाहता था, किन्तु राजा के सम्मुख कुछ बोलने की हिम्मत नहीं हो पा रही थी। अंत में उसने युक्ति से काम लिया।

एक दिन मंत्री कंचनदेव को घुमाने के लिए नगर के पूर्व की ओर बने गुलाब के बाग़ की ओर ले गया। राजा कंचनदेव ने देखा कि बाग में दाने बिखरे पड़े हैं। कबूतर दाना चुग रहे हैं। थोड़ी दूर कुछ कबूतर मरे पड़े हैं। कुछ भी समझ में न आने पर राजा ने मरे हुए कबूतरों के बारे में मंत्री से पूछा।

मंत्री ने बताया — "महाराज, इन्हें शिकारी पक्षियों ने मारा है।" राजा ने पूछा — "तो कबूतर भागते क्यों नहीं" "भागते हैं लेकिन लालच में फिर से आ जाते हैं, क्योंकि उनके लिए यहाँ, आपकी आज्ञा से दाना डाला जाता है।" — मंत्री ने बताया। राजा ने कहा — "दाना डलवाना बंद कर दो।" मंत्री ने वैसा ही किया।

www.careerindia.com

राजा अगले दिन फिर घूमने निकले। उन्होंने देखा कि दाना तो नहीं है, किन्तु कबूतर आ-जा रहे हैं। राजा ने मंत्री से इसका कारण पूछा। मंत्री ने बताया — "महाराज, इन्हें बिना प्रयास के ही दाना मिल रहा था। यह अब दाने-चारे की तलाश की आदत भूल चुके हैं, आलसी हो गए हैं। शिकारी पक्षी इस बात को जानते हैं कि कबूतर तो यहीं आएँगे अत: वे इन्हें आसानी से मार डालते हैं।" राजा चिंता में पड़ गए। उन्होंने शाम को मंत्री को बुलाकर कहा — "नगर के सारे मुफ़्त भोजनालय बंद करवा दो। जो मेहनत करे, वही खाए। लोग निकम्मे और आलसी होते जा रहे हैं। और हाँ, एक बात और। मैं अब शत्रु को सोना नहीं दूँगा, बल्कि उससे लड़ाई करूँगा। जाओ, सेना को मज़बूत करो।" मंत्री राजा की बात सुनकर बहुत खुश हो गया।

(i) राजा कंचनदेव की चिन्ता का क्या कारण था ? उन्होंने साधु से क्या प्रार्थना की ? [2]

(ii) साधु ने राजा को क्या बताया ? उसके बाद राजा ने राज्य के लिए क्या-क्या कार्य किये ? [2]

(iii) पड़ोसी राजा के आक्रमण करने पर कंचनगढ़ का राजा क्या करता था और क्यों ? [2]

(iv) कबूतरों की दशा कैसी थी ? उस दशा को देखकर राजा ने क्या सीखा ? [2]

(v) राजा ने मंत्री को क्या आदेश दिए ? आदेश सुनकर मंत्री की क्या स्थिति हुई ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के विलोम लिखिए :— [1]

अपना, देव, नवीन, सम्मानित।

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :— [1]

इच्छा, आदेश, शिक्षक।

(iii) निम्नलिखित शब्दों में किन्हीं **दो** शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए :— [1]

सफेद, युवा, हिंसक, जागना।

(iv) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिये :— [1]

कवित्री, अशीरवाद, कृतग्य, विदूशी।

(v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** की सहायता से वाक्य बनाइए :— [1]

चंपत होना, डींग हाँकना।

www.careerindia.com

(vi) कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :—

(a) प्राचीन काल में लोग पत्तों की बनी कुटिया में रहते थे। [1]

[रेखांकित का एक शब्द लिखते हुए वाक्य पुनः लिखिए]

(b) बीमार होने के कारण सुमन समारोह में नहीं आ सकी। [1]

['इसलिए' का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए]

(c) बच्चे आम तोड़ने के लिए वक्षों पर चढ़ गए थे। [1]

[वचन बदलिए]

SECTION—B (40 Marks)

*Questions from only **two** of the following textbooks are to be answered.*
*Attempt **four** questions from this Section.*
*You must answer at least **one** question from each of the **two** books, you have studied and any **two** other questions from the same books that you have chosen.*

साहित्य सागर-संक्षिप्त कहानियाँ
(Sahitya Sagar–Short Stories)

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

उसके अन्तस्तल में वह शोक जाकर बस गया था। वह प्रायः अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता। एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा। विश्वेश्वर के पास जाकर बोला, "काका ! मुझे एक पतंग मँगा दो।"

['काकी'—सियारामशरण गुप्त]
['Kaki'—Siyaramsharan Gupt]

(i) 'उसके' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उसके दुखी होने का क्या कारण था ? [2]

(ii) क्या देखकर उसका हृदय खिल उठा था ? उसने अपने पिता से क्या माँगा ? [2]

(iii) उसने उस चीज का प्रबंध कैसे किया ? क्या उसके इस कार्य को अपराध कहना उचित होगा ? समझाइए। [3]

(iv) विश्वेश्वर ने बालक के साथ कैसा व्यवहार किया ? संक्षेप में समझाते हुए उनके इस तरह के व्यवहार का कारण तथा सच्चाई जानने के बाद की स्थिति का भी वर्णन कीजिए। [3]

www.careerindia.com

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

विदेशों में उसके चित्रों की धूम मच गयी। भिखारिन और दो अनाथ बच्चों के उस चित्र की प्रशंसा में तो अखबारों के कॉलम के कॉलम भर गए। शोहरत से ऊँचे कगार पर बैठ चित्रा जैसे अपना सब कुछ भूल गयी।

['दो कलाकार'—मन्नु भंडारी]

['Do Kalakar'—Mannu Bhandari]

(i) 'उसके चित्रों' से क्या तात्पर्य है ? समझाइए। [2]

(ii) चित्रा कौन थी ? उसके चरित्र की मुख्य विशेषता को बताइए। [2]

(iii) अरूणा कौन थी जब उसे भिखारिन वाली घटना का पता चला तो उसपर क्या प्रभाव पड़ा और उसने क्या किया ? [3]

(iv) चित्रकारिता और समाज सेवा में आप किसे उपयोगी मानते हैं और क्यों ? कहानी के माध्यम से समझाइए। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

मैंने देखा कि कुहरे की सफेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली सी मूर्ति हमारी तरफ आ रही थी। मैंने कहा — "होगा कोई।" तीन गज की दूरी से दिख पड़ा, एक लड़का, सिर के बड़े-बड़े बाल खुजलाता चला आ रहा था। नंगे पैर, नंगे सिर, एक मैली सी कमीज़ लटकाए है।

['अपना-अपना भाग्य'—जैनेन्द्र कुमार]

['Apna-Apna Bhagya'—Jainendra Kumar]

(i) यहाँ पर किस बालक के सन्दर्भ में कहा गया है ? उस समय उसकी क्या स्थिति थी ? [2]

(ii) बालक ने अपने घर-परिवार के सम्बन्ध में क्या-क्या बताया ? [2]

(iii) इस समय उस बालक के सामने कौनसी समस्या थी ? क्या उस समस्या का हल हो पाया ? यदि नहीं तो क्यों ? [3]

(iv) इस कहानी के माध्यम से लेखक ने हमें क्या सन्देश देना चाहा है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये। [3]

www.careerindia.com

साहित्य सागर – पद्य भाग
(Sahitya Sagar–Poems)

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"मैया मेरी, चंद्र खिलौना लेहौं।।
धौरी को पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुथैहौं।
मोतिन माल न धरिहौं उर पर झुंगली कंठ न लैहौं।
जैहौं लोट अबहिं धरनी पर, तेरी गोद न ऐहौं।।
लाल कहैहौं नंद बाबा को, तेरो सुत न कहैहौं।।"

['सूर के पद'—सूरदास]

['Sur Ke Pad'–Surdas]

(i) प्रस्तुत पद्य में कौन अपनी माता से ज़िद कर रहे हैं ? वे क्या प्राप्त करना चाहते हैं ? [2]

(ii) उनकी माता कौन हैं ? वे अपने पुत्र को देखकर कैसा अनुभव कर रही हैं ? स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) खिलौना न मिलने की स्थिति में बाल कृष्ण अपनी माँ को क्या-क्या धमकियाँ दे रहे हैं ? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) रूठे हुए बालक को बहलाने के लिए माँ क्या कहती है ? बालक पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है ? सूरदास जी की भक्ति भावना का परिचय देते हुए समझाइए। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"न्यायोचित सुख सुलभ नहीं
जब तक मानव-मानव को
चैन कहाँ धरती पर तब तक
शांति कहाँ इस भव को ?
जब तक मनुज-मनुज का यह
सुख भाग नहीं सम होगा
शमित न होगा कोलाहल
संघर्ष नहीं कम होगा।"

['स्वर्ग बना सकते हैं'—रामधारी सिंह 'दिनकर']

['Swarg Bana Sakte Hai'—Ramdhari Singh 'Dinkar']

(i) 'भव' शब्द का क्या अर्थ है ? कवि के अनुसार इस भव में शांति क्यों नहीं है ? [2]

(ii) शब्दों के अर्थ लिखिए — न्यायोचित, सम, सुलभ, कोलाहल। [2]

(iii) 'शमित न होगा कोलाहल संघर्ष नहीं कम होगा' पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [3]

(iv) उपरोक्त पंक्तियाँ 'दिनकर जी' की किस प्रसिद्ध रचना से ली गई है ? कविता का केन्द्रीय भाव लिखते हुए बताइए। [3]

www.careerindia.com

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

जन्मे जहाँ थे रघुपति जन्मी जहाँ थी सीता।
श्री कृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।।
गौतम ने जन्म लेकर जिसका सुयश बढ़ाया।
जग को दया दिखाई, जग को दिया दिखाया।।
वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मात भूमि मेरी।।

['वह जन्मभूमि मेरी'— सोहनलाल द्विवेदी]
['Wah Janamabhumi Meri'—Sohanlal Dwivedi]

(i) प्रस्तुत कविता किस प्रकार की है इस कविता में किसका गुणगान किया गया है ? [2]

(ii) कवि ने भारत को युद्धभूमि और बुद्धभूमि क्यों कहा है ? समझाकर लिखिए। [2]

(iii) प्रस्तुत कविता में जन्मभूमि की किन-किन प्राकृतिक विशेषताओं का उल्लेख किया गया है ? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने भारत को किन-किन महापुरुषों की भूमि कहा है ? कविता का केन्द्रीय भाव लिखते हुए स्पष्ट कीजिए। [3]

नया रास्ता–सुषमा अग्रवाल
(Naya Raasta–Sushma Agarwal)

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"मीनू ..... अरे मीनू कैसे कर सकती है ? यह रस्म तो शादीशुदा बहन ही कर सकती है। मीनू की तो अभी शादी भी नहीं हुई।"

(i) उपर्युक्त कथन की वक्ता कौन है उसका परिचय दीजिए। [2]

(ii) वक्ता ने क्यों कहा कि मीनू यह रस्म नहीं कर सकती ? यहाँ किस रस्म की बात हो रही है ? [2]

(iii) वक्ता की बात सुनकर मीनू तथा मीनू की माँ की स्थिति का वर्णन करते हुए बताइए कि क्या उसके द्वारा वह रस्म पूरी की गई थी ? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) "एक अविवाहित स्त्री को समाज में उचित सम्मान नहीं मिलता।" उपन्यास के आधार पर अपने विचार लिखिए। [3]

www.careerindia.com

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

आखिर सरिता को देखने का दिन आ ही गया। अमित के घर में विशेष चहल-पहल थी। अमित की माताजी में विशेष उत्साह नजर आ रहा था। माताजी के कहने में आकर उसके पिता भी इस रिश्ते में रूचि लेने लगे थे। अमित की बहन मधु भी अपनी होने वाली भाभी को देखने के लिए उत्सुक थी।

(i) अमित कौन है उसका संक्षिप्त परिचय दीजिये। [2]

(ii) विशेष चहल-पहल का क्या कारण था, इस अवसर पर अमित की स्थिति स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) मायारामजी को स्वर्ग की अनुभूति कहाँ और कैसे होती है और क्यों होती है ? [3]

(iv) अमित और सरिता के बीच हुई बातचीत को संक्षेप में लिखिये। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

मीनू के हृदय में बचपन से ही अपंगों के लिए दया की भावना थी परन्तु मनोहर को तो वैसे भी वह बचपन से जानती थी। इसीलिए उसकी यह हालत उससे देखी नहीं जा रही थी। मीनू ने मन ही मन निश्चय दिया कि वह किसी न किसी रूप में मनोहर की सहायता अवश्य करेगी। विवाह के फ़ालतू खर्च में से कुछ रुपये बचाकर अपाहिज मनोहर की सहायता करने का उसने संकल्प लिया।

(i) मनोहर कौन था ? वह मीनू के पास क्यों आया था ? [2]

(ii) उसकी यह दशा कैसे हो गयी थी ? संक्षेप में समझाइए। [2]

(iii) मीनू ने मन ही मन क्या निश्चय किया और मनोहर की सहायता कैसे की ? [3]

(iv) मीनू के इस कार्य से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ? क्या आपने भी कभी किसी की इस प्रकार से सहायता की है समझाइए। [3]

www.careerindia.com

एकांकी संचय
(Ekanki Sanchay)

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

अब भी आँखें नहीं खुलीं ? जो व्यवहार अपनी बेटी के लिए दूसरों से चाहते हो वही दूसरे की बेटी को भी दो। जब तक तुम बहू और बेटी को एक-सा नहीं समझोगे, न तुम्हें सुख मिलेगा न शांति।

['बहू की विदा'—विनोद रस्तोगी]

['Bahu Ki Vida'—Vinod Rastogi]

(i) वक्ता का परिचय देते हुए कथन का सन्दर्भ लिखिए। [2]

(ii) "अब भी आँखें नहीं खुली ?" कहने से वक्ता का क्या अभिप्राय है ? पाठ के सन्दर्भ में समझाइए। [2]

(iii) एकांकी के अन्त में श्रोता क्या फैसला लेता है और क्यों ? समझाइए। [3]

(iv) इस एकांकी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? एकांकी के उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

आपके विवेक पर सबको विश्वास है। मैं आपसे निवेदन करने आई हूँ कि यद्यपि समय के फेर से आज हाड़ा, शक्ति और साधनों में मेवाड़ के उन्नत राज्य से छोटे हैं, फिर भी वे वीर हैं। मेवाड़ को विपत्ति के दिनों से सहायता देते रहे हैं। यदि उनसे कोई धृष्टता बन पड़ी हो, तो महाराणा उसे भूल जाएँ और राजपूत शक्तियों में स्नेह का सम्बन्ध बना रहने दें।

['मात भूमि का मान'—हरिकृष्ण 'प्रेमी']

['Matribhoomi Ka Man'—Harikrishna 'Premi']

(i) प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा है ? स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) मेवाड़ को विपत्ति के दिनों में किसने सहायता दी है ? चारणी यह बात क्यों याद दिलाती है ? स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) चारणी ने महाराणा को अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने का क्या उपाय बताया ? यह कितना उचित था, इस सन्दर्भ में अपने विचार दीजिए। [3]

(iv) 'मात भूमि का मान' कैसी एकांकी है ? शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करते हुए बताइए। [3]

www.careerindia.com

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

बेटा, बड़प्पन बाहर की वस्तु नहीं — बड़प्पन तो मन का होना चाहिए। और फिर बेटा घ णा को घ णा से नहीं मिटाया जा सकता। बहू तभी प थक होना चाहेगी जब उसे घ णा के बदले घ णा दी जाएगी। लेकिन यदि उसे घ णा के बदले स्नेह मिले तो उसकी समस्त घ णा धुँधली पड़कर लुप्त हो जाएगी।

['सूखी डाली'—उपेन्द्रनाथ 'अश्क']
['Sukhi Dali'—Upendranath 'Ashka']

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) श्रोता ने वक्ता को छोटी बहू के संबंध में क्या बताया था ? [2]

(iii) वक्ता ने परिवार में एकता बनाये रखने का क्या उपाय निकाला ? क्या वे इसमें सफल हुए ? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) प्रस्तुत एकांकी किस प्रकार की एकांकी है ? इस एकांकी लेखन का क्या उद्देश्य है ? [3]

www.careerindia.com